- आदर्शात्मक अर्थशास्त्र से आप क्या समझते है ?

Ans. आदर्शात्मक आर्थिक विश्लेषण (adarshatmak arthik vishleshan) अथवा आदर्शात्मक अर्थशास्त्र (adarshatmak arthshastra) में हम इस बात का अध्ययन करते हैं कि ये क्रियाएँ हमारे लिए उपयुक्त हैं भी या नहीं अथवा यह किस प्रकार की होनी चाहिए।

- सूक्ष्म अर्थशास्त्र किसे कहते है ?

Ans. सूक्ष्मअर्थशास्त्र (ग्रीक उपसर्ग माइक्रो - अर्थ "छोटा" + "अर्थशास्त्र") अर्थशास्त्र की एक शाखा है जो यह अध्ययन करता है कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था के व्यक्तिगत अवयव, परिवार एवं फर्म, विशिष्ट रूप से उन बाजारों में सीमित संसाधनों के आवंटन का निर्णय करते हैं, जहां वस्तुएं एवं सेवाएं खरीदी एवं बेचीं जाती हैं।

- अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएँ कौन सी है ?

Ans. किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए तथा कितनी मात्रा में किया जाए। उत्पादन कैसे किया जाए। उत्पादन किन लोगों के लिए किया जाए।

- बाजार मांग को परिभाषित कीजिए ?

Ans. बाजार की मांग बाजार में सभी उपभोक्ताओं द्वारा दी गई वस्तु के लिए मांग की गई कुल मात्रा है। सकल मांग एक अर्थव्यवस्था में सभी वस्तुओं और सेवाओं की कुल मांग है। मांग को संभालने के लिए अक्सर कई स्टॉकिंग रणनीतियों की आवश्यकता होती है। कुछ मूल्य क्षेत्रों पर खरीदने के लिए खरीदारों की मांग की आवश्यकता है

- एक फर्म की स्थिर लागत से क्या अभिप्राय है ?

Ans. उत्पादन की स्थिर लागत के अन्तर्गत वे सब उत्पादन व्यय सम्मिलित किये जाते हैं, जिन्हें सभी परिस्थितियों में करना आवश्यक होता है और जो उत्पादन की मात्रा के साथ नहीं बदलते। प्रत्येक उत्पादक को कुछ लागत स्थिर साधनों के प्रयोग करने के लिए लगानी होती है। इस प्रकार की लागत को स्थिर लागत कहते हैं।

- एक फर्म का मांग व क्या है ?

Ans. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म का माँग वक्र पूर्णतया लोचदार होता है क्योंकि फर्म प्रचलित कीमत पर कितनी भी मात्रा में वस्तुएँ बेच सकती है। इसलिए कीमत में थोड़ी सी भी वृद्धि शून्य मांग की ओर ले जाएगी। यह इंगित करता है कि फर्म का कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है

- कालाबाजारी को संक्षेप में लिखिए।

Ans. जब किसी वस्तु का विक्रय मूल्य शासन द्वारा निर्धारित कर दिया जाता है और उसको उससे अधिक मूल्य पर बेचा जाये तो वह कालाबाजारी कहलाती है।

- उत्पादन फलन क्या है ?

Ans. **उत्पादन फलन**, आगतों और निर्गतों में एक गणितीय फलनात्मक/ तकनीकी / यांत्रिक संबंध है, जिससे कि एक दी गई समय अवधि में दिए गए साधनों के संयोग से जैसे - भूमि, श्रम, पूंजी तथा

उद्यमशीलता तथा प्रौद्योगिकी से अधिकतम संभव उत्पादन किया जा सके।

- एक दिष्ट अधिमान से आप क्या समझते है

Ans. उपभोक्ता एक वस्तु की कम मात्रा की तुलना में अधिक मात्रा को सदा अधिक पसंद करता है। इसका अर्थ है कि अनाधिमान वक्र की प्रवणती नीचे की ओर है। यदि उपभोक्ता के एकदिष्ट अधिमान है तो वह संयोजन (4, 5) से अधिक संयोजन (5, 5) या (4, 6) को करेगा।

- एकाधिकार की परिभाषा दीजिए ।

Ans. एकाधिकार जिस वस्तु का विक्रय करता है उसका विक्रय दूसरा उत्पादक नहीं कर पाता है। उदाहरण के लिए प्रत्येक शहर में बिजली आपूर्ति तथा जल आपूर्ति की एक ही कंपनी होती है जो पूरे शहर भर में बिजली आपूर्ति का काम करती है उस शहर में बिजली की दूसरी कंपनी नहीं होती इसलिए बिजली कंपनी एकाधिकार की स्थिति में रहती है।

- सीमांत उत्पादन ह्रास नियम क्या है ?

Ans. अल्पकाल में, अन्य आगतों की मात्राओं को स्थिर रखते हुए एक परिवर्तनशील आगत की इकाइयों और उत्पादन की मात्रा के बीच सम्बन्ध बताने वाले नियम को ही परिवर्ती अनुपात नियम अथवा ह्रासमान सीमांत उत्पाद नियम कहते हैं।

- वस्तुओं की मांग पर आय में वृद्धि के प्रभाव की व्याख्या करें।

Ans. जब आय में परिवर्तन होता है लेकिन कीमत में परिवर्तन नहीं होता है, तो उपभोक्ता उसी कीमत पर अधिक सामान खरीदेगा क्योंकि उनकी आय में वृद्धि हुई है। और अगर माल की कीमत गिरती है, तो आय समान रहती है, उपभोक्ता अधिक सामान खरीदेगा। वस्तुओं की कीमतों में गिरावट अपस्फीति का संकेत देती है।

- मांग की कीमत लोच को निर्धारित करने वाले तत्व कौन से है ? लिखिए ।

Ans. मांग की लोच उपभोक्ताओं की आय पर भी निर्भर करती है। यदि उपभोक्ता की आय अधिक होगी तो मांग की लोच कम होगी। इसके विपरीत यदि उपभोक्ता की आय कम होती है तो मांग की लोच अधिक होती है।

- व्यष्टि अर्थशास्त्र एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

Ans.

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1. इसके अंतर्गत व्यक्तिगत विचारों जैसे माँग, पूर्ति, कीमत आदि का अध्ययन किया जाता है।	इसके अंतर्गत सामूहिक विचारों जैसे कुल माँग, कुल पूर्ति आदि का अध्ययन किया जाता है।
2. इसका क्षेत्र बहुत सीमित होता है। जैसे-एक व्यक्ति, एक बाजार।	इसका क्षेत्र व्यापक होता है जैसे-पूरा देश।
3. इसका विकास समष्टिगत से पहले हुआ था।	इसका विकास कीन्स की पुस्तक के प्रकाशन के उपरांत हुआ।
4. इसमें माँग तथा उत्पाद के नियम, कीमत निर्धारण का सिद्धान्त आदि आते हैं।	इसमें राष्ट्रीय आय का सिद्धान्त रोजगार तथा मुद्रा के सिद्धान्त आदि आते हैं।

- अर्थशास्त्र एक सकारात्मक विज्ञान कैसे है ?

Ans. अर्थशास्त्र एक यथार्थवादी विज्ञान होने के साथ-साथ एक आदर्शवादी विज्ञान भी है, क्योंकि यह आर्थिक सिद्धान्तों के आधार पर आर्थिक घटनाओं को कारण एवं परिणामों का क्रमबद्ध अध्ययन करके मानव कल्याण में वृद्धि करने के विभिन्न उपायों का प्रस्तुतीकरण करता है।

- मांग की लोच क्या मापती है ?

Ans. किसी वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप उस वस्तु की माँगी गई मात्रा में होने वाले परिवर्तन की माप को ही माँग की लोच कहा जाता है। अर्थशास्त्र में माँग का नियम एक महत्त्वपूर्ण नियम है जो किसी वस्तु की कीमत में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उस वस्तु की माँग में होने वाले परिवर्तन की दिशा को बताता है।